INDIA PASSES 5G EVALUATION PHASE

India has extended another step into the 5G domain with Telecom Standards Development Society of India (TSDSI), India's body for telecom standards completing the evaluation phase of ITU's International Mobile Telecommunications.

TSDSI 5Gi, (Telecom Standards Development Society of India (TSDSI), India's body for telecom standards has completed the evaluation phase of ITU's International Mobile Telecommunications 2020 (IMT-2020) vision and now conforms with the stringent performance requirement.

This means that India's contribution is now being accepted as the global 5G standard .IIT Kanpur Director, Prof Abhay Karandikar, founding member and Chairman of the Telecom Standards Development Society of India (TSDSI), India's body for telecom standards, said that global vendors will now need to make handsets and base stations conforming to this standard.

"5G will enable much faster data speeds, reliable connectivity and low latency to international mobile telecommunications (IMT) — all needed for our new global communications ecosystem of connected devices sending vast amounts of data via ultrafast broadband

Mario Maniewicz, Director of the ITU Radiocommunication Bureau, said: "The successful completion of the evaluation process and the release of this global standard is a significant milestone for the global telecommunication industry and its users. 5G technologies will further enrich the worldwide communications ecosystem, expand the range of innovative applications and support the burgeoning Internet of Things, including machine-to-machine communication."

The evaluation of the candidate technologies was not carried out by ITU-R alone. ITU said that it was a highly collaborative process with substantial input from and coordination with ITU Member States, equipment manufacturers, network operators, and involved national, regional, and international standards development organizations, partnerships, the academic community and fora, since ITU-R provides a unique global framework to discuss the capabilities of new radio technologies. ■

5जी मूल्यांकन चरण से गुजर रहा है भारत

भारत ने टेलीकॉम स्टैंडर्ड डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया (टीएसडीएसआई) के साथ 5जी डोमेन में एक और कदम बढ़ाया है, जो कि आईटीयू के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार के मूल्यांकन चरण को पूरा करने वाले दूरसंचार मानकों के लिए भारत का निकाय है।

टीएसडीएसआई 5जीआई (टेलीकॉम स्टैंडर्ड डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया (टीएसडीएसआई) टेलीकॉम मानकों के लिए भारत के निकाय ने आईटीयू के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार 2020 (आईएमटी) विजन के मूल्यांकन चरण को पूरा कर लिया है और अब यह कड़े प्रदर्शन की आवश्यकता के अनुरूप है।

इसका मतलब है कि भारत के योगदान को अब वैश्विक 5जी मानक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो.अभय करंदीकर, टेलीकॉम स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया (टीएसडीएसआई) के संस्थापक सदस्य और दूरसंचार मानकों के लिए भारत के निकाय के अध्यक्ष हैं। अब इस मानक के अनुरूप हैंडसेट और बेस स्टेशन बनाने की आवश्यकता है।

5जी बहुत तेज गति, विश्वनीय कनेक्टिविटी और अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी) के लिए कम विलंबता को सक्षम करेगा–यह सब अल्ट्राफास्ट ब्रॉडबैंड के माध्यम से बड़ी मात्रा में डेटा भेजने वाले उपकरणों के हमारे नये वैश्विक संचार पारिस्थितिक तंत्र के लिए आवश्यक है।

आईटीयू रेडियो संचार ब्यूरो के निदेशक मारियो मनिविक्ज़ ने कहा कि 'मूल्यांकन प्रक्रिया का सफल समापन और इस वैश्विक मानक का जारी होना वैश्विक दूरसंचार उद्योग और इसके उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 5जी तकनीकी दुनिया भर की पारिस्थितिकी तंत्र को और समृद्ध बनायेगी, नये आवेदनों की सीमा का विस्तार करेगा और मशीन टू मशीन संचार सहित इंटरनेट ऑफ थिंग्स का समर्थन करेगा।'

उम्मीदवार तकनीकी का मूल्यांकन अकेले आईटीयू–आर द्वारा नहीं किया गया था। आईटीयू ने कहा कि यह आईटीयू के सदस्य राज्यों, उपकरण निर्माताओं, नेटवर्क आपरेटरों के साथ पर्याप्त इनपुट और समन्वय के साथ एक अत्यधिक सहयोगात्मक प्रक्रिया थी, जिसमें आईटीयू–आर के बाद से राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के विकास संगठन, भागीदारी, शैक्षणिक समुदाय और प्लेटफार्म शामिल हैं, चूंकि यह नयी रेडियो तकनीकी की क्षमताओं पर चर्चा करने के लिए एक अनूठा वैश्विक ढ़ांचा प्रदान करता है। ■